यूपी बोर्ड प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2023

कक्षा 12 (सामान्य हिन्दी)

केवल प्रश्नपत्र

समय 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

निर्देश - प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

खण्ड 'क'

1. (क) 'ग्यारह वर्ष का समय' के रचनाकार हैं-

(i) मुंशी इंशा अल्ला खाँ

(ii) राजेन्द्रबाला घोष

(iii) रामचन्द्र शुक्ल

(iv) जयशंकरप्रसाद ।

(ख) 'मेरे पिताजी' संस्मरण के लेखक हैं–

(i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

(iii) हरिशंकर परसाई

(iv) डॉ० ए०पी० जे० अब्दुल कलाम ।

(ग) 'कल्पलता' निबन्ध संग्रह के लेखक हैं-

(i) रामचन्द्र शुक्ल

(ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iii) गुलाबराय

(iv) वासुदेवशरण अग्रवाल ।

(घ) 'जैसे उनके दिन फिरे' निम्न में से किसका कहानी-संग्रह है-

(i) फणीश्वरनाथ 'रेणु' का

(ii) जैनेन्द्रकुमार का

(iii) अमरकान्त का

(iv) हरिशंकर परसाई का ।

(ङ) 'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' की स्थापना किसने की–

(i) रामचन्द्र शुक्ल

(ii) बालमुकुन्द गुप्त

(iii) श्याम सुंदर दास

(iv) मिश्रबन्धु ।

2. (क) वीरगाथाकाल की विशेषता है-

(i) नारी का रूप - सौन्दर्य चित्रण

(ii) प्रकृति-चित्रण

(iii) युद्धों का सजीव चित्रण

(iv) मुक्तक काव्य ।

(ख) निम्न में से कौन मैथिलीशरण गुप्त की रचना है-

(i) 'आँगन के पार द्वार'

(iii) 'युगवाणी'

(iii) 'अनघ'

(iv) 'परशुराम की प्रतीक्षा' ।

(ग) 'प्रयोगवाद' को 'नई कविता' की संज्ञा दी-

(i) गिरिजाकुमार माथुर

(ii) केदारनाथ सिंह

(iii) अज्ञेय

(iv) धर्मवीर भारती ।

(घ) सुमित्रानन्दन पन्त को 'चिदम्बरा' कृति पर पुरस्कार मिला था

(i) 'भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार'

(ii) 'भारत-भारती पुरस्कार'

(iii) 'साहित्य अकादमी पुरस्कार'

(iv) 'स्वर्णमाल पुरस्कार'।

(ड़) 'अमीर खुसरो' की रचना है--

(i) राउलवेल

(ii) खालिक बारी

(iii) पाहुड दोहा

(iv) भविष्यत् कहा।

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

पृथिवी और आकाश के अन्तराल में जो कुछ सामग्री भरी हैं, पृथिवी के चारों ओर फैले हुए गम्भीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नए भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए। राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नई किरणें जब तक नहीं फूटती, तब तक हम सोए हुए के समान है।

प्रश्न- (क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) राष्ट्रीयता की भावना के लिए किसके प्रति चेतना जाग्रत होनी आवश्यक है?

(घ) पृथ्वी और आकाश के बीच तथा समुद्र में कौन-कौन-सी अपार सम्पदा देखने को मिलती है?

(ङ) राष्ट्र अथवा राष्ट्र के निवासियों को कब तक सुप्त ही समझना चाहिए?

अथवा

मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है। उदाहरण के तौर पर, मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ, लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ; क्योंकि समृद्धि अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अन्ततः हमारी आजादी को बनाए रखने में सहायक है आप अपने आस-पास देखेंगे तो पाएंगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती। किसी बगीचे में जाइए। मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आपको अनन्त तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे ।

प्रश्न – (क) गद्यांश से सम्बन्धित पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) समृद्धि अपने साथ क्या लाती है?

(घ) समृद्धि अन्ततः किसे बनाए रखने में सहायक है?

(ङ) समृद्धि और अध्यात्म के सम्बन्ध में लेखक क्या नहीं मानता?

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

समर्पण लो सेवा का सार
सजल संसुति का यह पतवार;
आज से यह जीवन उत्सर्ग
इसी पद तल में विगत विकार।
बनो संसृति के मूल रहस्य
तुम्हीं से फैलेगी वह बेल;
विश्व भर सौरभ से भर जाय
सुमन के खेलो सुन्दर खेल।

प्रश्न- (क) 'समर्पण लो सेवा का सार किसने किससे कहा है?

(ख) 'बनो संवृति के मूल रहस्य' किसके लिए कहा गया है?

(ग) विश्वभर सौरभ से भर जाए' का क्या आशय है?

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ड़) पाठ का नाम तथा रचयिता का कीजिए।

अथवा

वे रोगी होंगे प्रेम जिन्हें अनुभव रस का कटु प्याला है–
वे मुद्दे होगे प्रेम जिन्हें सम्मोहनकारी हाला है।
मैने विदुग्ध हो जान लिया, अन्तिम रहस्य पहचान लिया
मैने आहुति बनकर देखा यह प्रेम यज्ञ की ज्वाला है।
मैं कहता हूँ मैं बढ़ता हूँ, मैं नभ की चोटी चढ़ता हूँ
कुचला जाकर भी धूलो-सा आंधी-सा और उमड़ता हूँ
मेरा जीवन ललकार बने, असफलता ही असि धार बने
इस निर्मम रण में पग-पग का रुकना ही मेरा वार बने!

प्रश्न – (क) कवि किसे रोगी मानता है?

(ख) प्रेम जिनके लिए 'सम्मोहनकारी हाला' है, कवि उन्हें क्या मानता है?

(ग) 'हाला' तथा 'असि धार' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(घ) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।

(ङ) कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए- (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द)

(i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) डॉ० ए०पी० जे० अब्दुल कलाम

(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए-- (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द)

(i) रामधारीसिंह 'दिनकर'

(ii) जयशंकरप्रसाद

(iii) महादेवी वर्मा।

6. 'पंचलाइट' अथवा कहानी का सारांश लिखिए।

(शब्द सीमा, अधिकतम 80 शब्द)

अथवा

'बहादुर' अथवा 'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के प्रश्न का उत्तर दीजिए– (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द)

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक गांधी का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'नमक आन्दोलन' के बहिष्कार की कथावस्तु लिखिए।

(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुःशासन' का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर चीर हरण प्रसंग का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथावस्तु लिखिए ।

(iv) 'आलोक- वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'आलोक- वृत्त' खण्डकाव्य के 'षष्ठ सर्ग' की कथावस्तु में अपने शब्दों में लिखिए।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

'त्यागपथी' के सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र - चित्रण कीजिए

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'आखेट' सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

(क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

खण्ड 'ख'

महामनस्विनः मदनमोहनमालवीयस्य जन्म प्रयागे प्रतिष्ठित- परिवारेऽभवत् । अस्यपिता पण्डितव्रजनाथमालवीयः संस्कृतस्य सम्मान्यः विद्वान् आसीत् । अयं प्रयागे एव संस्कृतपाठशालायां राजकीयविद्यालये म्योर सेण्ट्रल महाविद्यालये च शिक्षां प्राप्य अत्रैव राजकीय विद्यालये अध्यापनम् आरब्धवान्। युवकः मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्णभाषणेन जनानां मनांसि अमोहयत्। अतः अस्य सुहृदः तं प्राड्विवाकपदवीं प्राप्य देशस्य श्रेष्ठतरां सेवा कर्तुं प्रेरितवन्तः । तदनुसारम् अयं विधिपरीक्षामुत्तीर्य प्रयागस्थे उच्चन्यायालये प्राड्विवाककर्म कर्तुमारभत् । विधेः प्रकृष्टज्ञानेन, मधुरालापेन, उदारव्यवहारेण चायं शीघ्रमेव मित्राणां न्यायाधीशानाञ्च सम्मानभाजनमभवत्।

अथवा

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकवि वाल्मीकिः, महर्षिर्व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास- भारवि भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाङ्गकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं गौरवम, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति । ततः सुष्ट्क्तम् भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती' इति ।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए -

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।

अथवा

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु

लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्।

अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा

न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य का प्रयोग कीजिए–

(i) पहाड़ टूट पड़ना

(ii) गागर में सागर भरना

(iii) आम के आम गुठलियों के दाम

(iv) न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए-

(i) 'श्रीशः' का सन्धि-विच्छेद है-

(अ) श्री + इशः (ब) श्रि + ईश

(स) अ + ईश (द) श्री + ईशः।

(ii) 'रमेशः' का सही सन्धि-विच्छेद है–

(अ) रमा + ईश (ब) रम + ईशः

(स) रमा + एषः (द) रम + एषः।

(iii) 'अन्वयः' का सन्धि-विच्छेद है–

(अ) अनु + अयः (ब) अनु + वयः

(स) अन्य + वयः (द) अ + न्वयः ।

(ख) शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही

चयन कीजिए–

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन है–

(अ) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन

(स) पञ्चमी विभक्ति, बहुवचन

(द) सप्तमी विभक्ति एकवचन।

(ii) 'नाम' रूप में प्रयुक्त विभक्ति एवं वचन है–

(अ) प्रथमा, बहुवचन (ब) द्वितीया एकवचन

(स) चतुर्थी, एकवचन (द) पञ्चमी, द्विवचन।

(क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए-

(i) लक्ष- लक्ष्य-

(अ) लाख (वस्तु) और करोड़

(ख) लच्छा और ध्येय

(ग) लाख (संख्या) और उद्देश्य

(घ) आँखवाला और क्षति करनेवाला।

(ii) जघन– जघन्य-

(अ) जाँघ औप अपराध

(ब) अपराध और जाँघ

(स) जाँघ और गर्हित

(द) मध्य भाग और पाप।

(ख) (i) 'बाण' शब्द का अर्थ नहीं है–

(अ) तीर (ख) माला

(ग) बाणभट्ट (घ) निशाना।

(ii) 'जड़' का अर्थ नहीं है–

(अ) अचेतन (ब) पर्वत

(स) मूर्ख (द) मूल

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए-

(i) जो आँखों के सामने हो-

(अ) नेत्र सम्मुख (ख) प्रत्यक्ष

(ग) आँख के आगे (घ) प्रत्येक आँख

(ii) जिसे क्षमा किया जा सके-

(अ) अक्षय (ब) अक्षम्य

(स) क्षम्य (द) क्षमाशीला

(घ) सही विकल्प का चयन कर उत्तर दीजिए-

(i) 'ठण्डा घड़े का पानी पिलाइए।' में अशुद्ध भाग है-

(अ) पानी पिलाइए (ब) घड़े का पानी

(स) ठण्डा घड़े का (द) कोई अशुद्धि नहीं।

(ii) वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध वाक्य है-

(अ) आपका आर्शीवाद चाहिए।

(ब) मेरा भविष्य उज्जवल है।

(स) रमा बड़ी विद्वान् है।

(द) मुझे सौ रुपए देना।

12. (क) 'श्रृंगार' रस अथवा 'शान्त' रस की उदाहरणसहित परिभाषा लिखिए।

(ख) 'अनुप्रास' अलंकार अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए।

13. जिला परिषद् के अतिरिक्त मुख्य अधिकारी को हिन्दी टंकणकर्त्ता के पद हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मुहल्ले की साफ-सफाई के लिए, अपने 'नगर पंचायत' अध्यक्ष को एक प्रार्थना पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए-

(i) विज्ञान वरदान या अभिशाप

(ii) कृषक जीवन की त्रासदी

(iii) अनियन्त्रित भ्रष्टाचार कारण और निवारण

(iv) बढ़े बेटियाँ, पढ़ें बेटियाँ